लायन्स स्कूल, मीरजापुर
प्री0बोर्ड परीक्षा प्रथम – 2020–21

कक्षा– 12 समय – 3 घण्टे
विषय– हिन्दी (ऐच्छिक) कुल अंक – 80

सामान्य निर्देशः–
1. इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं– अ, ब ।
2. दोनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथा संभव प्रत्येक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए ।

खण्ड–अ (वस्तुपरक प्रश्न)

प्रश्न.1– निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछ गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 1X10=10

भारत में स्वच्छता परिदृश्य अभी भी निराशाजनक है। अधिकतर भारतीयों के पास मोबाइल फ़ोन तो है, लेकिन घर में शौचालय नही है। गाँधी जी ने अपने बचपन में ही भारतीयों में स्वच्छता के प्रति उदासीनता की कमी को महसूस कर लिया था । अस्पृश्यता से घृणा करने वाले गाँधी जी के लिए स्वच्छता एक बड़ा सामाजिक मुद्दा था। बचपन में बालक मोहन के मन में अपनी माँ के प्रति स्नेह सम्मान होने के बाबजूद उन्होंने उसे छोटी सी आयु में भी अपनी माँ की उस बात का विरोध किया, जब उनकी माँ ने सफ़ाई करने वाले कर्मचारी को न छूने और उनसे दूर रहने के लिए कहा था ।

उन्हें दृढ़ विश्वास था कि स्वच्छता और सफाई प्रत्येक व्यक्ति का काम है। इसीलिए कई लोग जब गाँधी जी को पत्र लिखकर आश्रम में उनके रहने की इच्छा ज़ाहिर करते, तो इस बारे में उनकी पहली शर्त होती थी कि आश्रम में रहने वालों को आश्रम की सफ़ाई का काम करना होगा, जिसमें शौच का वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण करना भी शामिल है।

गाँधी जी का कहना था कि हमें स्वच्छता और सफ़ाई का मूल्य पता होना चाहिए ....गंदगी को हमें अपने बीच से हटाना होगा क्या स्वच्छता स्वयं इनाम नहीं है ं

हालांकि स्वच्छता के विषय में दक्षिण अफ्रीका और भारत दोनों की जगह दी गई उनकी सलाह के 100 साल बाद भी हमने एक समुदाय के रूप में उचित प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की हैं । हमने गाँधी जी के स्वच्छता– विषयक, विचारों एवं सुझावों को विफलकर दिया है। गाँधी जी ने समाजशास्त्र को समझा और स्वच्छता के महत्व को समझा, पारंपरिक तौर पर सदियों से सफ़ाई के काम में लगे लोगों को गरिमा प्रदान करने की कोशिश की परन्तु आजादी के बाद हमने उनके अभियान को योजनाओं में बदल दिया ।

योजनाओं को लक्ष्यों , ढाँचों और संख्याओं तक सीमित कर दिया गया , हमने मौलिक ढाँचे और प्रणाली के तंत्र पर तो ध्यान दिया और उसे मजबूत भी किया, लेकिन हम 'तत्व' को भूल गए जो व्यक्ति में मूल्य स्थापित करता है । क्या हम 'स्वच्छ भारत अभियान'

के माध्यम से वर्ष 2019 तक स्वच्छता के लक्ष्य को हासिल करते हुए गाँधी जी के सपने को साकार कर उन्हें उनकी 150वीं जयंती पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दे सके ?

1. आश्रम में रहने वालों के लिए गाँधी जी क्या शर्त होती थी ?
   (क) आश्रम में चन्दा देना होगा
   (ख) आश्रम की सफ़ाई का काम स्वयं करना होगा
   (ग) आश्रम में दरिद्रों की सेवा करनी होगी
   (घ) आश्रम सदैव दूसरों का काम करना होगा
2. गाँधी जी का दृढ़ विश्वास क्या था ?
   (क) आश्रम का विकास करना
   (ख) स्वच्छता ओर सफ़ाई प्रत्येक व्यक्ति का काम है
   (ग) अस्पृश्यता से घृणा करना
   (घ) योजनाओं का क्रियान्वयन करना
3. आजादी के बाद हमने गाँधी जी के अभियानों को किसमें बदल दिया?
   (क) सामाजिक मुद्दो में
   (ख) योजनाओं में
   (ग) प्रणाली में
   (घ) परंपराओं में
4. गांधी जी को सच्ची श्रद्धांजलि किस रूप में दे सकते हैं ?
   (क) वर्ष 2019 तक स्वच्छता के लक्ष्य को प्राप्त करके
   (ख) अस्पृश्यता की जड़ को समाप्त करके
   (ग) अपने घर की सफ़ाई स्वयं करके
   (घ) आश्रम का विकास करके
5. गद्यांश के आधार पर बताइए कि गाँधी जी ने स्वच्छता के बारे में कहाँ सलाह दी ?
   (क) भारत में
   (ख) दक्षिण अफ्रीका में
   (ग) 'क' और 'ख' दोनों
   (घ) आश्रम में
6. गाँधी जी ने बाल्यकाल में ही भारतीयों की किस कमी को अनुभव किया ?
   (क) मोबाइल फोन के प्रति अनुरक्ति
   (ख) स्वच्छता के प्रति उदासीनता का भाव
   (ग) शौचालयों का अभाव
   (घ) उपरोक्त सभी
7. भारतीयों ने गाँधी जी के निम्न में से किन विचारों तथा सुझावो को असफल कर दिया है ?
   (क) अस्पृश्यता से संबंधित

(ख) स्वच्छता से संबंधित
(ग) गंदगी से संबंधित
(घ) उपर्युक्त सभी

8. गांधी जी ने निम्न में से किसे गौरव प्रदान करने का प्रयास किया ?
(क) सफ़ाई कार्य को घृणित समझने वाले लोगों को
(ख) सफाई कर्मचारी को
(ग) भारतीय लोगों को
(घ) आश्रम में रहने वाले लोगों को

9. गाँधी जी के लिए सबसे बड़ा सामाजिक मुद्दा क्या था ?
(क) अस्पृश्यता
(ख) स्वच्छता
(ग) 'क' और 'ख' दोनों
(घ) सफ़ाई संबंधित दृष्टिकोण को संकुचित करना

10. गाँधी जी ने अपनी माँ का विरोध क्यों किया था?
(क) स्वयं सफाई कार्य न करने के कारण
(ख) माँ द्वारा सफाई कर्मचारी को छूने से मना करने के कारण
(ग) माँ के प्रति स्नेह सम्मान न होने के कारण
(घ) अस्पृश्यता संबंधी विचारों के कारण

अथवा

शिक्षा जीवन के सर्वांगीण विकास हेतु अनिवार्य हे। शिक्षा के बिना मनुष्य विवेकशील और शिष्ट नहीं बन सकता । शिक्षा ही मानव को मानव के प्रति मानवीय भावनाओं से पोषित करती है ं शिक्षा से मनुष्य अपने परिवेश के प्रति जाग्रत होकर कर्तव्याभिमुख हो जाता है निर्बल ही सहायता करना दुःखियों के दुःख दूर करने का प्रयास करना, दूसरों के दुःख से दुःखी हो जाना और दूसरों के सुख से स्वयं सुख का अनुभव करना जैसी बातें एक शिक्षित मानव में सरलता से देखने को मिल जाती है ।

इतिहास , साहित्य, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, दर्शनशास्त्र इत्यादि पढ़कर विद्यार्थी विद्वान ही नही बनता , वरन् उसमें एक विशिष्ट जीवन दृष्टि, रचनात्मक और परिपवक्वता का सृजन भी होता है ।आज शिक्षा का अर्थ बदल रहा है। शिक्षा भौतिक आंकाक्षाओं की चेरी बनती जा रही है। व्यवसायिक शिक्षा के अंधानुकरण में छात्र सैद्धांतिक शिक्षा से दूर होते जा रहें हैं ं रूस की क्रांति, फ्रांस की क्रांति, अमेरिकी क्रांति, समाजवाद पूँजीवाद, राजनीतिक व्यवस्था, सांस्कृतिक मूल्यों आदि की सामान्य जानकारी भी व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को नहीं है । यह शिक्षा का विशुद्ध रोज़गारकरण है ।

शिक्षा के प्रति इस प्रकार का संकुचित दृष्टि कोण अपनाकर विवेकशील नागरिकों का निर्माण नहीं किया जा सकता । भारत जैसे विकासशील देश में शिक्षा रोजगार का साधन न होकर साध्य हो गई है। इस कुप्रवृत्ति पर अंकुश लगाना आवश्यक है। जहाँ मानविकी के छात्रों को

पत्रकारिता साहित्य –सृजन , विज्ञापन, जनसंपर्क इत्यादि कोर्स भी कराए जाने चाहिए ताकि उन्हें रोज़गार के लिए भटकना न पड़े एवं वही व्यासायिक कोर्स करने वालें छात्रों को मानविकी के विषय , जैसे– इतिहास, साहित्य, राजनीतिशास्त्र, दर्शन आदि का थोड़ा बहुत अध्ययन अवश्य करना चाहिए ताकि समाज को विवेकशील नागरिक प्राप्त होते रहे, तभी समाज में संतुलन बना रह सकेगा ।

शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति करना है, इसीलिए शिक्षा का उपयोग सामाजिक विकास के साधन के रूप में किया जाना चाहिए । यह राष्ट्रीय एकता एवं विकास को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाती है। यह समाज की सभ्यता एवं संस्कृति का संरक्षण , पोषण और प्रसार करती हैं । आधुनिक युग मे मानव के संसाधन विकास के रूप में शिक्षा की प्रमुख भूमिका होती है ।

1. छात्र सैद्धांतिक शिक्षा से किस कारण दूर होते जा रहे हैं ?
   (क) पश्चिम सभ्यता के कारण
   (ख) व्यावासायिक शिक्षा के अंधानुकरण के कारण
   (ग) रोजगार को महत्व न देने के कारण
   (घ) सामाजिक नियमों के कारण
2. गद्यांश के अनुसार शिक्षा का उपयोग किसके साधन के रूप में किया जाना चाहिए ?
   (क) रोजगार के
   (ख) सामाजिक विकास के
   (ग) नागरिक निर्माण के
   (घ) समाजशास्त्र के
3. गद्यांश में सामाजिक दोष उत्पन्न होने का कारण किसे माना गया है ?
   (क) रूढ़िवादी सोच एवं परम्परा को
   (ख) व्यावसायिक शिक्षा पर ज़ोर को
   (ग) प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति को
   (घ) पूँजीवादी व्यवस्था को
4. राष्ट्रीय एकता एवं विकास को बढ़ाने में प्रमुख भूमिका कौन निभाता है ?
   (क) कर्त्तव्यनिष्ठ नागरिक
   (ख) शिक्षा
   (ग) सामाजिक कार्यकर्ता
   (घ) सैद्धान्तिक नियम
5. मानविकी के छात्रों को अन्य विषय का सामान्य अध्ययन करने से क्या लाभ होगा ?
   (क) समाज को विवेकशील नागरिक प्राप्त होंगे
   (ख) रोजगार के अवसरों का विकास होगा
   (ग) शिक्षा का विशुद्ध रोजगारकरण होगा
   (घ) छात्रों का दृष्टिकोण विस्तृत होगा
6. वर्तमान समय में शिक्षा निम्न में से किसका साध्य बन गई है ?

(क) मानवीय विकास
(ख) रोजगार
(ग) उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्ति
(घ) सामाजिक आवश्यकताओं की पूर्ति

7. निर्बल की सहायता करना तथा दूसरो के दु:ख दूर करने का प्रयास करना किस प्रकार के मानव में दृष्टिगोचर होता है ?
(क) अशिक्षित मानव
(ख) शिक्षित मानव
(ग) साधन संपन्न मानव
(घ) अल्पशिक्षित मानव

8. व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण करने वाले छात्रों को निम्न में से और किस विषय का अध्ययन कराया जाना चाहिए ।
(क) असैद्धांतिक
(ख) मानविकी
(ग) भौतिक
(घ) पत्रकारिता

9. शिक्षा का उपयोग निम्न में से किसके साधन के रूप में किया जाना चाहिए?
(क) राजनीतिक विकास
(ख) सामाजिक विकास
(ग) आर्थिक विकास
(घ) धार्मिक विकास

10. सामाजिक सभ्यता एवं संस्कृति का संरक्षण , पोषण और प्रसार का कार्य कौन करता है ?
(क) मनुष्य
(ख) शिक्षा
(ग) भाषा
(घ) सुशिक्षित विद्यार्थी

प्रश्न.2– निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

1X8=8

मधु की एक बूँद बिन, ईश्वर
शक्तिमान भी शक्तिहीन है।
मधु की एक बूँद सागर है,
हर जीवत्मा मधुर मीन है ।
मधु की एक बूँद पृथ्वी में
मधु की एक बूँद शशि –रवि में

मधु की एक बूँद है, कवि में
मधु की एक बूँद के पीछे
मैंने जब तब कष्ट सहे शत
मधु की एक बूँद मिथ्या है–
कोई ऐसी बात कहे मत!

1. कवि ने मधु की एक बूँद को क्या कहा है?
(क) मछली (ख) सागर (ग) पृथ्वी (घ) सूर्य

2. कवि के अनुसार प्रत्येक जीवात्मा क्या है?
(क) शक्तिशाली (ख) मधुरमान (ग) शक्तिहीन (घ) कष्टसाध्य

3. कवि ने समय –समय पर अनेक कष्ट किसके कारण सहन किए ?
(क) स्वयं के कारण (ख) मधु के एक बूँद के कारण
(ग) अपने कर्मो के कारण (घ) जीवन संघर्ष के कारण

4. कवि ने मनुष्य जीवन का आधार किसे माना है?
(क) ईश्वर को (ख) आनन्द को (ग) मिथ्या को (घ) पृथ्वी को

5. प्रस्तुत काव्यांश के माध्यम से कवि ने किसके महत्व पर प्रकाश डाला है?
(क) मनुष्य के जिजीविषा के महत्व पर (ख) जीवात्मा के महत्व पर
(ग) आनन्द के महत्व पर (घ) जीवन की निराशा के महत्व पर

6. कवि ने मधु की एक बूँद को किन–किन में व्याप्त बताया है ?
(क) सूर्य – चन्द्रमा में (ख) ये सभी (ग) कवि में (घ) पृथ्वी में

7. काव्यांश के अनुसार किसे मिथ्या मानना सर्वथा गलत है ?
(क) संसार को (ख) आनंद को (ग) मनुष्य को (घ) कष्टों को

8. मधु को किसका आधार माना गया है ?
(क) प्रकृति का (ख) मनुष्य जीवन का (ग) नीरसता का (घ) समर्पण का

अथवा

जो बीत गई सो बात गई, जीवन में एक सितारा था
माना, वह बेहद प्यारा था, वह डूब गया तो डूब गया
अंबर के आगन को देखो, कितने इसके तारे टूटें
कितने इसके प्यारे टूटे, जो टूट गए फिर कहाँ मिले
पर बोलो टूटे तारों पर, कब अंबर शोक मनाता है?
जो बीत गई सो बात गई। जीवन में वह था एक कुसुम
थे उस पर नित्य निछावर तुम वह सूख गया तो सूख गया

मधुवन की छाती को देखो सूखी इसकी कितनी कलियाँ
मुरझाई कितनी वल्लरियाँ जो मुरझाई फिर कहाँ खिली
पर बोलो सूखे फूलों पर कब मधुबन शोर मचाता है?
जो बीत गई सो बात गई । जीवन मे मधु का प्याला था,
तुमने तन–मन दे डाला थ वह टूट गया तो टूट गया ,
मदिरालय का आँगन देखो कितने प्याले हिल जाते हैं,
गिर मिट्टी में मिल जाते हैं जो गिरते हैं कब उठते हैं
पर बोलो टूटे प्यालों पर कब मदिरालय पछताता है?
जो बीत गई सो बात गई ।

1. काव्यांश के आधार पर बताइए कि आकाश की ओर कब देखना चाहिए ?
(क) रात में जब तारे टूटते है
(ख) अतीत को याद करके
(ग) अंबर को याद करे
(घ) इनमें से कोई नहीं

2. काव्यांश में 'सूखे फूल' व 'मधुबन' किसके प्रतीक के रूप में प्रयुक्त हुए हैं ?
(क) आने वाला समय सूख
(ख) बीते समय, जीवन
(ग) दुःख सुख
(घ) ये सभी

3. प्रस्तुत काव्यांश का मूलभाव क्या है ?
(क) बिछड़े हुए व्यक्ति के लिए शोक मनाना (ख) बीती बातों पर पछताना
(ग) बीती बातों को भूल जाना (घ) ये सभी

4. बताइए कि मदिरालय के आँगन की मिट्टी में कौन मिल जाते हैं ?
(क) मधु (ख) तन (ग) प्याला (घ) सभी

5. काव्यांश में 'जीवन में एक सितारा' किसे माना गया है?
(क) मधुबन को (ख) अतीत को
(ग) अत्यंत प्रिय व्यक्ति या वस्तु को (घ) मदिरालय को

6. काव्यांश से 'कुसुम' शब्द का अर्थ है–
(क) कुमकुम (ख) कुनकुन (ग) फूल (घ) हरा पत्ता

7. कविता में 'मदिरालय' शब्द का अर्थ क्या है
(क) शराबखाना (ख) जहाँ शराब मिलती है (ग) संसार (घ) मिट्टीखाना

8. कविता में 'बल्लरियाँ' कौन है ?
(क) पत्तों का समूह (ख) बीज (ग) लताएँ (घ) सभी

प्रश्न.3– निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनें – 1X5=5

1. विश्वभर में घटने वाली घटनाओं को सूचना के रूप में संकलित करके तत्पश्चात समाचारों के माध्यम से पाठकों व श्रोताओं तक पहुँचाना क्या कहलाता है?
(क) सूचनाओं का संकलन (ख) पत्रकारिता (ग) संयोजन (घ) विश्लेषण

2. जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में सबसे पुराना माध्यम है?
(क) रेडियो (ख) प्रिंट (ग) टी0वी0 (घ) नारदमुनि

3. नाटक का सबसे प्रभावशाली तत्व कौन सा है?
(क) भाषा शैली (ख) कथानक (ग) संगीतात्मकता (घ) रमणीयता

4. समाचार के प्रकारों में सम्मिलत नहीं है?
(क) कस्बेवार (ख) स्थानीय (ग) अन्तर्राष्ट्रीय (घ) राष्ट्रीय

5. फीचर के गुण नहीं है?
(क) अप्रासंगिता (ख) सरलता एवं सहजता (ग) रोचकता (घ) विश्वसनीयता

प्रश्न.4– निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए – 1X5=5

पूस जाड़ थर–थर तन काँपा । सरूज जड़ाई लंक दिसि तापा ।।
बिरह बाढ़ी भी दारून सीऊ । कँपि कँपि भरौं लेहि हरि जीऊ ।।
कंत कहाँ हौं लागौ हियरे । पंथ अपार सूझ नहिं नियरें ।।
सौर सुपेती आवै जड़ी। जानहुँ सेज हिवंचल बूढ़ी ।।
चकई निसि बिछुरैं दिन मिला । हौं निसि बासर बिरह कोकिला ।।
रैनि अकेली साथ नहिं सखी । कैसे जिऔं बिछोही पंखी ।।

1. 'बारह मासा' में पूस माह में नागमती किस पक्षी के समान हो गई थी ?
(क) भँवरा (ख) कोकिला (ग) चकई (घ) मैना

2. 'बारह मासा' में कवि ने किसका चित्रण किया है?

(क) पद्मावती के विरह का (ख) नागमती व रत्नसेन का

(ग) राजा रत्नसेन पद्मावती के प्रेम का (घ) रानी नागमती के विरह का

3. 'जानहुँ सेज हिवंचल बूढी' पंक्ति में अलंकार बताइए ?

(क) उपमा (ख) उत्प्रेक्षा (ग) रूपक (घ) अतिशयोक्ति

4. दिए गए काव्य में कौन सा छंद है–

(क) दोहा छंद (ख) चौपाई कड़वक छंद (ग) मुक्तकछंद (घ) सवैया छंद

5. 'निसि बासर' शब्द का अर्थ बताइए ?

(क) संध्या, दोपहर (ख) रात–दिन (ग) प्रातःकाल, अर्द्धरात्रि (घ) सभी रूप

प्रश्न.5– दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए – 1X5=5

अमझर – आम के पेड़ों से घिरा गाँव जहाँ आम झरते हैं । किंतु पिछले दो–तीन वर्षो से पेड़ो पर सूनापन है, न कोई फल पकता है , न कुछ नीचे झरता है । कारण पूछने पर पता चला कि जब से सरकारी घोषणा हुई है कि अमरौली प्रोजेक्ट के अंतर्गत नवागाँव के अनेक गाँव उजाड़ दिए जाएंगें तब से न जाने कैसे आम के पेड़ सूखने लगे । आदमी उजड़ेगा , तो पेड़ जीवित रहकर क्या करेंगें ?

1. 'जहाँ कोई वापसी नहीं ' पाठ में प्रयुक्त ' आदमी उजड़ेगा, तो पेड़ जीवित रहकर क्या करेंगे,' कथन में आदमी उजड़ने से क्या आशय है ?

क. ग्रामीण लोगों का शहरों की ओर पलायन करना ।

ख. ग्रीमीण कीा औद्योगिकरण के कारण विस्थापित होना

ग. लोगों की असमय मृत्यु होना

घ. बाढ़ के कारण समस्याएँ उत्पन्न होना

2. दिए गए गद्यांश के लेखक का नाम बताइए–

क. हजारी प्रसाद द्विवेदी

ख. निर्मलवर्मा

ग. असगर वजाहत

घ. प्रेमचंद

3. प्रस्तुत गद्यांश में गद्य की किस शैली का प्रयोग है ?

क. चित्रात्मक शैली

ख. वर्णनात्मक शैली

ग. विश्लेषणात्मक शैली

घ. कोई नही

4. 'अमझर' का अर्थ है–

क. वह क्षेत्र जहाँ आम पकते हैं

ख. वह क्षेत्र जहाँ आम झरते हैं

ग. वह क्षेत्र जहाँ आम लगने वाले होते हैं

घ. उपर्युक्त सभी

5. सरकारी पोषण किस प्रोजेक्ट के नाम से हुई है ?

क. सिंगरौली प्रोजेक्ट

ख. अमरौली प्रोजेक्ट

ग. श्रृंगवेरी प्रोजेक्ट

घ. कोई नहीं ।

प्रश्न.6– निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनकर लिखें – 1X7=7

1. ''यह फूस की राख न थी , उनकी अभिलाषाओं की राख थी'' लेखक के अनुसार सूरदास की क्या अभिलाषा थी ?

(क) मिठुआ का ब्याह करने की (ख) गया जाकर पूर्वजों के पिण्डदान की

(ग) कुआँ बनवाने की (घ) ये सभी

2. ''आरोहण'' कहानी में मूल रूप से किस समस्या को रेंखाकित किया गया है ?

(क) पारिवारिक सम्बंधो की समस्या (ख) प्रेम की समस्या

(ग) जाति पाँति की समस्या (घ) पर्वतीय अँचलो से पलायन की समस्या

3. सूरदास के रूपयों से भैरो ने किस काम का इंतजाम करने की बात कही ?

(क) नया मकान बनवाने की (ख) पत्नी के लिए गहने बनवाने की

(ग) जाति बिरादरी को भोज देने की (घ) बेटे की शादी करने की

4. ''बिस्कोहर की माटी'' में लेखक को कौन जूही की लता बनी चाँदनी सी नजर आ रही है?

(क) उसकी प्रमिका (ख) बिस्कोहर की एक औरत

(ग) गाँव की धरती (घ) सायंकालीन आकाश का वातावरण

5. बिस्कोहर गाँव में वर्णित बड़े से कमल तालाब का क्या नाम था ?

(क) कमल तालाब (ख) कुंभी तालाब

(ग) लेवदी तालाब (घ) लेवड़ी तालाब

6. ''अपना मालवाः खाऊ – उजाडू सभ्यता'' पाठ में लेखक ने मालवा प्रदेश की वर्तमान दशा की तुलना किससे की है ?

(क) दक्षिण प्रदेशों से (ख) मालवा के समृद्धशाली अतीत से

(ग) निकटवर्ती सीमा क्षेत्रों से (घ) उत्तरी राज्यों से

7. औद्योगीकरण के विकास का प्रभाव हमारी नदियों पर किस प्रकार पड़ रहा है ?

(क) नदियाँ विकसित हो रही हैं (ख) नदियाँ दूषित हो रही हैं

(ग) नदियाँ सूख रही हैं (घ) नदियों में बाढ़ आ रही है

खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न

कार्यालयी हिंदी और रचनात्मक लेखन

प्रश्न.7– निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए – 5

1. जीवन में घटी सुखद घटना
2. अपने विद्यालय के वार्षिकोत्सव का वर्णन
3. सोशल मीडिया सूचना का सबसे बड़ा साधन

प्रश्न.8– बढ़– चढ़कर दावा करने वाले और भ्रामक प्रचार करने वाले विज्ञापनों से ग्राहक उपभोक्ताओं को होने वाली परेशानी का उल्लेख करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए साथ ही सुझाव भी दीजिए । 5

अथवा

सड़कों की दुर्दशा पर खेद और चिंता प्रकट करते हुए नगरपालिका अध्यक्ष को पत्र लिखिए ।

प्रश्न.9– निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 3

क. कविता किस प्रकार बनी ? कविता लेखन के संबंध में दो मत क्या है ।स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

नाटक स्वयं में एक जीवंत माध्यम है । इस कथन के आलोक में नाटक में स्वीकार और अस्वीकार की अवधारणा पर प्रकाश डालिए ।

ख. कहानी का अर्थ स्पष्ट करते हुए इसके इतिहास पर प्रकाश डालिए । 2

अथवा

प्राचीन काल में मौखिक कहानियाँ क्यों लोकप्रिय हुई थी ? स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न.10– क. समाचार लेखन की उल्टा पिरामिड शैली पर प्रकाश डालिए । 3

अथवा

विद्यार्थियों पर दूरदर्शन का प्रभाव'' विषय पर एक आलेख लिखिए ।

ख. 'बढ़ती हुई जनसंख्या, घटती सुविधाएँ' विषय पर फीचर लिखिए । 2

अथवा

''कोविड–19 के बढ़ते दुष्प्रभावों' पर आलेख लिखिए ।

प्रश्न.11– किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 3X2=6

क. 'बसंत आया' शीर्षक कविता के आधार पर प्रतिपादित कीजिए कि कवि ने मनुष्य की आधुनिक जीवन शैली पर व्यंग्य किया है?

ख. कवि 'नयन न तिरपति भेल' के माध्यम से विरहणी नायिका की किस मनोदशा को व्यक्त करना चाहता है? विद्यापति के पदों के आधार पर बताइए ।

ग. 'देवसेना का गीत' कविता के आधार पर देवसेना की वेदना पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न.12– किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 30–40 शब्दों में दीजिए– 2X2=4

क. सत्य कविता के आधार पर बताइए कि सत्य को पुकारने पर क्या होता है ?

ख. फरइ कि कोदव बालि सुसावी। मुकुता प्रसव कि संबुक काली पंक्ति में छिपे भाव और शिल्प लिखिए ।

ग. 'कार्नेलिया का गीत' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए ।

प्रश्न.13– किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50–60 शब्दों में दीजिए– 3X2=6

क. लेखक का हिंदी– साहित्य के प्रति झुकाव किस तरह बढ़ गया ? 'प्रेमघन की छाया–स्मृति' पाठ के आधार पर बताइए ।

ख. ''मनोकामना की गाँठ भी अद्भुत , अनूठी है, उधर बाँधों उधर लग जाती है।'' इस कथन के आधार पर पारो की मनोदशा का वर्णन कीजिए ।

ग. लेखक औद्योगिक विकास के नाम पर 'नए शरणार्थी' किसे मानता है? 'खाऊँ– उजाड़ूँ सभ्यता ' पाठ के आधार पर लिखिए ।

प्रश्न.14– किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में दीजिए– 2X2=4

क. ''धर्म का रहस्य जानना वेदशास्त्रज्ञ धर्माचार्यों का ही काम है । ''आप इस कथन से कहाँ तक सहमत है।

ख. 'प्रमाण से अधिक महत्वपूर्ण विश्वास है' 'शेर लघुकथा ' के आधार पर टिप्पणी कीजिए ।

ग. जलालगढ़ पहुँचने के बाद बड़ी बहुरिया के सामने हरगोबिन ने क्या संकल्प किया और क्यों ?